

## राज्यपाल ने उत्तर प्रदेश संगीत नाटक के अकादमी पुरस्कारों से कलाकारों को सम्मानित किया

### नाट्य विधा अभिव्यक्ति का एक शक्तिशाली माध्यम है—राज्यपाल

लखनऊ: 13 फरवरी, 2020

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज संत गाडगेजी महाराज प्रेक्षागृह में उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी द्वारा आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि नृत्य और नाट्य अभिव्यक्ति का एक शक्तिशाली माध्यम है। इसलिये कन्या भ्रूण हत्या, दहेज, मादक पदार्थों के सेवन आदि अनेक सामाजिक बुराइयों को दूर करने तथा समाज में स्वस्थ संदेश फैलाने में नाट्य कला का प्रभावी प्रयोग किया जा सकता है।

राज्यपाल ने कहा कि भारतीय संस्कृति में प्राचीनकाल से ही संगीत, साहित्य और नाट्य विधाओं का गौरवशाली स्थान रहा है। नाट्य कला मानव-जीवन के विभिन्न पक्षों तथा अनेक सामाजिक बुराइयों को अभिव्यक्ति के माध्यम से दूर करने में अहम भूमिका का निर्वाह करती है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश एक विशाल सांस्कृतिक क्षेत्र है, जिसकी विविध समृद्ध सांस्कृतिक परम्पराओं के प्रशिक्षण एवं संवर्द्धन की दिशा में अभी बहुत कुछ किया जाना है। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि संगीत नाटक अकादमी द्वारा उत्तर प्रदेश में कला के प्रति जागरूकता लाने, नवोदित प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने, विलुप्त हो रही विधाओं के प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन में योगदान दिया जा रहा है। राज्यपाल ने अकादमी अभिलेखागार के अन्तर्गत संग्रहित किये गये समस्त संगीत, नृत्य एवं नाट्य कार्यक्रमों की आडियो-वीडियो हेतु अकादमी को विशेष रूप से बधाई दी।

राज्यपाल ने उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी के वर्ष 2009 से 2019 तक के अकादमी पुरस्कार, सफदर हाशमी पुरस्कार, बी०एम० शाह एवं रत्न सदस्यों सम्मान से

सम्मानित किया। राज्यपाल ने संगीत अकादमी के सर्वोच्च सम्मान 'रत्न सदस्य' से वर्ष 2009 के लिये श्री वि०व० श्रीखण्डे, मुम्बई को, वर्ष 2010 के लिये श्री सत्यभान शर्मा, आगरा को, वर्ष 2011 के लिये श्री चितरंजन ज्योतिषी, वाराणसी को, वर्ष 2012 के लिये पं० राजेश्वर आचार्य, वाराणसी को वर्ष 2013 के लिये श्रीमती मालिनी अवस्थी, लखनऊ को सम्मानित किया।

समारोह को उत्तर प्रदेश के संस्कृति एवं पर्यटन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ० नीलकण्ठ तिवारी ने अपने सम्बोधन में कहा कि राष्ट्र की आत्मा संस्कृति है तथा संस्कृति की आत्मा संगीत है। उन्होंने कहा कि 2009 से अब तक लम्बित संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से आज विभिन्न विधाओं के कलाकारों एवं विभूतियों को राज्यपाल द्वारा सम्मानित किया जाना गौरव की बात है।

इस अवसर पर संगीत नाटक अकादमी की अध्यक्ष डॉ० पूर्णिमा पाण्डेय, प्रमुख सचिव संस्कृति श्री जितेन्द्र कुमार, अकादमी के उपाध्यक्ष डॉ० धन्नु लाल गौतम, अकादमी के सचिव श्री तरुण राज सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। इस अवसर पर कथक कला केन्द्र के कलाकारों ने राज्यपाल के समक्ष 'गंगावतरण' नृत्य नाटिका प्रस्तुत की।



